# बिहार में दुग्ध उत्पादन की उभरती प्रवृत्तियाँ : सुधा डेयरी के विशेष संदर्भ में

**डॉ. मो. तारिकूर रहमान**

भारत में सबसे अधिक पशु पाये जाते है। बिहार दूसरा सबसे अधिक गाय एवं भैंस पालने वाला राज्य है। दूध के उत्पादन में भैंसों का सबसे अधिक योगदान है। देश के दूध उत्पादन में भैंस तथा गाय का हिस्सा क्रमशः 50 प्रतिशत तथा 40 प्रतिशत है। विश्व में दूध उत्पादन में भारत का पहल स्थान हैं, दूसरा अमेरिका का है। पशुपालन एवं दूध उद्योग के विकास के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की स्थापना की गयी है। इस संस्था द्वारा चलाया गया अभियान ''श्वेत क्रान्ति'' सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। कृषि के अलावा पशुधन और दुग्ध उत्पादन ग्रामीण जीविका तथा रोजगार के अवसरों के लिए एक सर्वाधिक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। बिहार राज्य की अर्थव्यवस्था में इस क्षेत्र का महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि ग्रामीण आय में यह एक–तिहाई का योगदान करता है। इसके अलावा, राज्य की लगभग 90 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में, जहाँ ढेर सारे लोग या तो भूमिहीन हैं या एक हेक्टेयर से कम जोत वाले सीमांत किसान, लाभप्रद रोजगार देने के लिहाज से पशुपालन अत्यन्त महत्त्वपूर्ण क्षेत्र है। बारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान पशुपालन क्षेत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए राज्य सरकार ने महत्त्वपूर्ण कदम उठाए है। पशुधन के आँकड़ों से बिहार में पशुधन की कुल संख्या में विभिन्न जिलों के हिस्सों के बीच मौजूद भारी अंतर का पता चलता है। गायों–भैंसों की संख्या के मामलें में सर्वाधिक संख्या वाले जिले पटना, भोजपुर, गया, बाँका, मुजफरपुर, पश्चिम चम्पारण, मधुबनी और पूर्णियाँ हैं। दूग्ध इस प्रक्षेत्र का प्रमुख उत्पाद है।